

## पारा प्रदूषण और मनामाता अभिसमय

# पारा प्रदूषण और मनामाता अभिसमय

### पारा

- संकेत- Hg; परमाणु संख्या - 80
- प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले तत्व (भू-पर्पटी में चट्टानों, कोयले का भंडार),
- तंत्रिका, पाचन और प्रतिरक्षा प्रणाली, फेफड़े, गुर्दे आदि पर विषाक्त प्रभाव।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले शीर्ष दस रसायनों में से एक माना है।

### मिथाइल मरकरी बनाम एथिल मरकरी

- मिथाइल मरकरी (MeHg) स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जुड़ा है।
- एथिल मरकरी कुछ टीकों में परिरक्षक के रूप में उपयोग किया जाता है।

### पारा प्रदूषण

#### ■ स्रोत:

- ⊙ ज्वालामुखी विस्फोट एवं चट्टानों का अपक्षय
- ⊙ कुटीर एवं लघु स्तर पर सोने का खनन (ASGM) (प्रमुख स्रोत)
- ⊙ औद्योगिक प्रक्रियाएँ (क्लोरीन उत्पादन, सीमेंट निर्माण आदि)
- ⊙ ई-अपशिष्ट का अनुचित निपटान (फ्लोरोसेंट बल्ब और बैटरी)

#### ■ प्रभाव:

- ⊙ MeHg जलीय जीवों में एकत्रित हो जाता है (जिसे बाद में मनुष्यों द्वारा उपभोग किया जाता है)
- ⊙ MeHg से मनामाता रोग (अधिक तंत्रिका संबंधी लक्षण) होने का खतरा अधिक होता है

### मनामाता अभिसमय

#### ■ उद्देश्य:

- ⊙ मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को Hg और उसके यौगिकों के प्रतिकूल प्रभावों से बचाना।
- ⊙ अपने संपूर्ण जीवनचक्र में Hg के मानवजनित निर्गमन को नियंत्रित करना (मुख्य दायित्व)

#### ■ सहमति:

- ⊙ अंतर-सरकारी वार्ता समिति (5 वॉ सत्र), जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड (वर्ष 2013)

#### ■ नियंत्रण:

- ⊙ पारा खनिज
- ⊙ Hg एवं उससे संबंधित उत्पादों का निर्माण/व्यापार
- ⊙ Hg अपशिष्ट का निपटान
- ⊙ औद्योगिक सामग्री से Hg का उत्सर्जन

#### ■ सदस्य:

- ⊙ 144 देश (भारत सहित)
- ⊙ सदस्य देश, उपरोक्त नियंत्रण लागू करने के लिये बाध्य हैं।



Drishti IAS

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mercury-pollution-and-the-minamata-convention>

